केंद्रीय विवि

महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य और अधिकार है थीम

समाज की वास्तविकता को दिखाता है फोटो विज्ञान

मुख्य संवाददाता @ रांची

life.ranchi@prabhatkhabar.in

केंद्रीय विवि के कार्यकारी कुलपति प्रो सारंग मेधेकर ने कहा है कि समाज की समस्या को तस्वीर द्वारा प्रस्तुत करना यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है. इसलिए समाज की वास्तविकता को दिखानेवाला फोटो विज्ञान भी है और कला भी है. प्रो मेधेकर गुरुवार को झारखंड केंद्रीय विवि अंतर्गत जनसचार विभाग द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी का उदघाटन कर रहे थे. इस प्रदर्शनी का मूल विषय महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य एवं अधिकार की जानकारी देना था. प्रदर्शनी में यूनिसेफ द्वारा आयोजित वर्कशॉप, फोटो-वॉक एवं फोटो स्टोरी के आधार पर ली गयी लगभग 110 तस्वीरों को लगाया गया. समापन के अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो अर्जुन सिंह ने समाज और फोटो पत्रकारिता के रिश्ते से अवगत कराया. प्रो देवव्रत सिंह ने फोटो पत्रकारिता में रोजगार के अवसर के बारे में बताया. इस दौरान फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई. इसमें प्रथम स्वाति आनंद, द्वितीय निशांत कुमार तथा तृतीय ऋषभ कुमार रहे. संयोजन डॉ सुदर्शन यादव एवं डॉ विनय भूषण ने किया. मौके पर रश्मि वर्मा, राजेश सिंह, डॉ सुनील घोडके, डॉ अमृत कुमार, ऋषिकांत कुमार, पीआरओ नरेंद्र कुमार मौजूद थे.

केंद्रीय विवि में 110 फोटो की प्रदर्शनी लगायी गयी.

विद्यार्थियों ने जानी फोटो पत्रकारिता की बारीकियां

सीयूजे में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में फोटो प्रदर्शनी का जायजा लेते अतिथि।

रांची | वरीय संवाददाता

सामाजिक समस्या को फोटो द्वारा प्रस्तुत करना चुनौतीपूर्ण कार्य है। यह बातें झारखंड केंद्रीय विवि के कार्यकारी कुलपति प्रो. सारंग मेधेकर ने गुरुवार को जनसंचर विभाग द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी कार्यक्रम में कहीं।

प्रदर्शनी का मूल विषय- महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य व अधिकार की जानकारी देना था। प्रदर्शनी में यूनिसेफ द्वारा आयोजित वर्कशॉप, फोटो-वॉक और फोटो स्टोरी के आधार पर लिए गए लगभग 110 फोटो लगाए गए थे।

मौके पर प्रो अर्जुन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की फोटो कला को सराहा और फोटो पत्रकारिता के रिश्ते बताए। विभाग के प्रो देवव्रत सिंह ने भी संबोधित किया। छात्रों के बीच फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। इसमें प्रथम स्वाति आनंद, द्वितीय निशांत कुमार और तृतीय स्थान ऋषभ कुमार को मिला। कार्यक्रम में डॉ सुदर्शन यादव, डॉ विनय भूषण, रश्मि वर्मा, राजेश सिंह आदि मौजूद थे।